समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

देश की पहली सेमीकंडक्टर परियोजना दिसंबर तक पूरी हो जाएगी।

Publisher

Published on 29 Jan 2025

देश की पहली सेमीकंडक्टर परियोजना चालू कैलेडंर वर्ष के अंत तक पूरी होने की संभावना है।

साणंद : देश की पहली सेमीकंडक्टर परियोजना का काम चालू कैलेंडर वर्ष के अंत तक पूरा होने की संभावना है। टाटा प्रोजेक्ट्स ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी चिप निर्माता **माइक्रोन टेक्नोलॉजी** की अहमदाबाद के पास साणंद में सेमीकंडक्टर असेंबली और परीक्षण सुविधा का निर्माण दिसंबर 2025 तक पूरा हो जाएगा।

टाटा प्रोजेक्ट्स के परियोजना निदेशक अमित अग्रवाल ने बताया कि देश की पहली सेमीकंडक्टर परियोजना का 60 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, जबकि शेष काम इस साल के अंत तक पूरा हो जाएगा। यह सुविधा **साणंद औद्योगिक क्षेत्र** में लगभग **50 एकड़** भूमि पर बनाई जा रही है और इसका निर्माण पिछले वर्ष जुलाई में शुरू हुआ था। यह सेमीकंडक्टर **असेबंली, परीक्षण, मार्किंग** और **पैकेजिंग (एटीएमपी)** सुविधा टाटा प्रोजेक्ट्स द्वारा माइक्रोन के लिए बनाई गई थी।

एटीएमपी सुविधा अनिवार्य रूप से एक बैकएंड फैब सुविधा है, जहां **अर्धचालक परीक्षण, पैकेजिंग** और **मार्किंग** का कार्य किया जाता है। यह संभवतः विश्व का सबसे बड़ा बैक-एण्ड सेमीकंडक्टर फैब सेंटर होगा। अब तक 60 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और कुल 3,500 कर्मचारी यहां काम कर रहे हैं। टाटा प्रोजेक्ट्स के परियोजना निदेशक अमित अग्रवाल ने कहा, माइक्रोन द्वारा उपलब्ध कराए गए मसौदे के अनुसार, हम **सिविल कार्य, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल** और **प्लंबिंग कार्य** और इंजीनियरिंग से संबंधित कार्यों को पूरा करने के बाद दिसंबर 2025 तक सुविधा परियोजना को माइक्रोन को सौंप देंगे।

जून 2023 में, गुजरात सरकार ने साणंद में **2.75 बिलियन डॉलर** की सेमीकंडक्टर असेंबली और परीक्षण सुविधा स्थापित करने के लिए माइक्रोन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। एक बार यह सुविधा परियोजना चालू हो जाए तो इससे लगभग 5,000 प्रत्यक्ष नौकरियां और 15,000 अतिरिक्त अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.